हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम — आईसीएआर–एनबीएआईआर

आईसीएआर–राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो में हिंदी पखवाड़ा (04–17 सितंबर 2026) के अंतर्गत दिनांक 07 सितंबर 2026 को सायं 4:30 बजे हिंदी कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. दीपा भगत, प्रधान वैज्ञानिक एवं सदस्य-सचिव, हिंदी समिति के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए हिंदी पखवाड़े के उद्देश्य तथा पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। हिंदी के नियमित एवं व्यावहारिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "प्रतिदिन एक कर्मचारी—एक हिंदी शब्द" गतिविधि भी प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत प्रत्येक कार्यदिवस एक निर्धारित अधिकारी अथवा कर्मचारी बोर्ड पर एक हिंदी शब्द लिखेगा, उसका सही उच्चारण करेगा तथा उसका अंग्रेज़ी अर्थ बताएगा।

डॉ. टी. वेंकटेशन, निदेशक, आईसीएआर–एनबीएआईआर ने हिंदी में अपना संबोधन दिया तथा कार्यालयीन एवं वैज्ञानिक कार्यों में सरल एवं प्रभावी हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। इसी अवसर पर उन्होंने हिंदी शब्द-लेखन गतिविधि का

शुभारंभ करते हुए बोर्ड पर "जैविक" शब्द लिखा। 07 सितंबर के लिए निर्धारित शब्द भी "**जैविक**" था।

श्रीमती सुमा श्रीनिवास, वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी ने विशेष संबोधन दिया तथा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री जे. मैथ्यू, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने प्रशासनिक मार्गदर्शन एवं विशेष उद्बोधन देते हुए कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के व्यावहारिक उपयोग पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण गैर-हिंदी भाषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी में लघु भाषण रहा। प्रतिभागियों ने जैविक नियंत्रण, कृषि में लाभकारी कीटों की भूमिका तथा पर्यावरण संरक्षण में जैविक नियंत्रण जैसे विषयों पर हिंदी में अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस गतिविधि में डॉ. केशवन सुबाहरण, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभागाध्यक्ष; डॉ. कोल्ला श्रीदेवी, प्रधान वैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय फेलो; डॉ. एम. मोहन, प्रधान वैज्ञानिक एवं सतर्कता अधिकारी; डॉ. सागर डी., वरिष्ठ वैज्ञानिक; डॉ. जी. महेंद्रन, वरिष्ठ वैज्ञानिक; डॉ. राघवेंद्र, तकनीकी अधिकारी; श्री आर. मारुति मेहंत, वरिष्ठ तकनीकी सहायक; डॉ. एन. एन. राजगोपाल, वैज्ञानिक; डॉ. जगदीश पाटिल, वरिष्ठ वैज्ञानिक; डॉ. बी. एस. मंजुनाथ, वैज्ञानिक; डॉ. आर. एस. रम्या, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा श्रीमती नाज़िया अंजुम, सहायक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भाषा-सुधार एवं संवादात्मक सत्र में डॉ. अंकिता गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक; डॉ. ऋचा वर्शनी, वरिष्ठ वैज्ञानिक; तथा डॉ. ओमप्रकाश नाविक, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने प्रतिभागियों को उपयुक्त हिंदी शब्दों, सही शब्द-प्रयोग, उच्चारण एवं अभिव्यक्ति से संबंधित उपयोगी सुझाव दिए। इससे विशेष रूप से गैर-हिंदी भाषी प्रतिभागियों को हिंदी सीखने तथा आत्मविश्वास के साथ हिंदी में संवाद करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम का संचालन श्री योगेश कसवां, सहायक द्वारा किया गया। श्री तुषार सिंह, सहायक ने कार्यक्रम के सुचारु संचालन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया तथा डॉ. अंकिता गुप्ता एवं डॉ. ऋचा वर्शनी के साथ मिलकर प्रतिभागियों को हिंदी शब्दों एवं अभिव्यक्ति से संबंधित आवश्यक सहयोग प्रदान किया। श्री योगेश कसवां एवं श्री तुषार सिंह हिंदी समिति के सदस्य भी हैं।

कार्यक्रम के अंत में सुश्री शेफाली सेठ, सहायक एवं सदस्य, हिंदी समिति ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने माननीय निदेशक महोदय, वरिष्ठ अधिकारियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों तथा कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। हिंदी समिति में सुश्री शेफाली सेठ का पदनाम सहायक एवं सदस्य के रूप में उल्लिखित है।

यह आयोजन संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने, हिंदी शब्दावली में वृद्धि करने तथा सरल हिंदी के माध्यम से प्रभावी संवाद स्थापित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा। माननीय निदेशक महोदय के अनुमोदन एवं मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

हिंदी पखवाड़ा — सरल हिंदी, प्रभावी संवाद और सक्रिय सहभागिता।